शोध मंथन Vol. XVI No.I Jan.- Mar. 2025 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Impact Factor 8.877 (SJIF)

सॉफ्ट पावर कूटनीतिः वैश्विक दुनिया में भारत का सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रभाव

प्राप्तिः 22.02.2025
स्वीकृतः 20.03.2025

18

आकाश प्रताप सिंह
शोधार्थी (राजनीतिकशास्त्र विभाग)
इस्माइल नेशनल महिला पी0जी0 कॉलेज, मेरठ
सी0 सी0 एस0 यू0 मेरठ
ईमेलः akashrathore1942@gmail.com

डॉ0 एकता चौधरी
असिस्टेंट प्रो0 (राजनीतिकशास्त्र विभाग)
इस्माइल नेशनल महिला
पी0जी0 कॉलेज, मेरठ
ईमेलः ektachaudhary1987@gmail.com

सारांश

सॉफ्ट पावर कूटनीति आधुनिक विश्व में किसी देश की प्रभावशाली भूमिका निभाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। भारत ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, योग, फिल्म उद्योग और शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। यह शोध पत्र भारत की सॉफ्ट पावर कूटनीति का विश्लेषण करता है, जिसमें इसके सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रभाव को समझाया गया है। साथ ही, यह भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करने में सॉफ्ट पावर की भूमिका पर चर्चा करता है। भारत की सॉफ्ट पावर के मुख्य स्त्रोतों में योग, बॉलीवुड, आयुर्वेद और शिक्षा शामिल हैं, जिन्होंने विश्व भर में भारत की छवि को प्रभावशाली बनाया है। हालांकि, भारत को अपनी सॉफ्ट पावर को और मजबूत करने के लिए चुनौतियों का सामना करना होगा, जैसे सांस्कृतिक अपर्याप्त प्रतिनिधित्व और राजनीतिक अस्थिरता। भविष्य में, भारत को अपनी सॉफ्ट पावर का उपयोग करके वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को और मजबूत करना चाहिए। जोसेफ नाय द्वारा विकसित सॉफ्ट पावर की अवधारणा को आधार बनाकर, यह पत्र भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक पहलों का अध्ययन करता है जिनके माध्यम से भारत अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत कर रहा है। विशेष रूप से, यह योग, आयुर्वेद, बॉलीवुड, डायस्पोरा डिप्लोमेसी, और भारत की विदेश नीति जैसे क्षेत्रों में भारत के प्रभाव का विश्लेषण करता है। इसके अलावा, यह भारत के सॉफ्ट पावर प्रयासों के सामने आने वाली चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डालता है।

मुख्य बिंदु

सॉफ्ट पावर, कूटनीति, भारतीय संस्कृति, प्रवासी समुदाय, सांस्कृतिक प्रभाव, वैश्विक राजनीति, बॉलीवुड, योग, आयुर्वेद, विकास सहयोग, डिजिटल कूटनीति, वैक्सीन मैत्री।

1. परिचय

सॉफ्ट पावर (Soft Power)एक ऐसी अवधारणा है जो किसी देश की सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभावशीलता को उसकी सैन्य शक्ति के बजाय उसकी आकर्षण शक्ति के माध्यम से मापती है। यह अवधारणा पहली बार अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक जोसेफ नाय (Joseph Nye) द्वारा 1990 के दशक में प्रस्तुत की गई थी। नाय के अनुसार, सॉफ्ट पावर वह क्षमता है जो किसी देश को दूसरे देशों को अपने लक्ष्यों और मूल्यों के प्रति आकर्षित करने और उन्हें प्रभावित करने की अनुमति देती है (नाय, 1990)। भारत, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक विकास के लिए जाना जाता है, ने वैश्विक स्तर पर अपनी सॉफ्ट पावर का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। यह शोध पत्र भारत की सॉफ्ट पावर कूटनीति के विभिन्न पहलुओं, विशेष रूप से उसके सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रभाव का विश्लेषण करेगा। भारत, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन सभ्यता और बहुआयामी विदेश नीति के साथ, वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण सॉफ्ट पावर के रूप में उभर रहा है। विविधता में एकता की भारतीय अवधारणा, अहिंसा और सहअस्तित्व के मूल्य और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में इसकी पहचान ने भारत को एक अद्वितीय वैश्विक स्थिति प्रदान की है।

इस शोध पत्र का उद्देश्य भारत की सॉफ्ट पावर कूटनीति के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करना और वैश्विक राजनीति में इसके प्रभाव का मूल्यांकन करना है। यह पत्र विशेष रूप से भारत की सांस्कृतिक कूटनीति, आर्थिक साझेदारी, डायस्पोरा डिप्लोमेसी और विकास सहयोग जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है। साथ ही, यह भारत के सॉफ्ट पावर प्रयासों के सामने आने वाली चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डालता है।

शोध प्रश्न (Research Questions)

- भारत की सांस्कृतिक विरासत, जैसे योग, आयुर्वेद, सिनेमा और संगीत, ने वैश्विक स्तर पर उसकी सॉफ्ट पावर को कैसे मजबूत किया है?
- भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और विदेश नीति के वेश्विक राजनीति में उसकी छवि को किस प्रकार प्रभावित किया है?
- भारत की सॉफ्ट पावर को और मजबूत करने में डिजिटल डिप्लोमेसी और आर्थिक सहयोग की क्या भूमिका है?
- भारत की सॉफ्ट पावर के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियां क्या हैं और उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है?

2. सॉफ्ट पावर की अवधारणा और महत्व

सॉफ्ट पावर की अवधारणा को समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम इसे हार्ड पावर (Hard Power)के विपरीत देखें। हार्ड पावर में सैन्य शक्ति और आर्थिक प्रतिबंधों का उपयोग शामिल है, जबकि सॉफ्ट पावर में संस्कृति, राजनीतिक मूल्यों और विदेश नीति के माध्यम से प्रभाव डालना शामिल है। नाय के अनुसार, सॉफ्ट पावर का उद्देश्य दूसरे देशों को अपने लक्ष्यों को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करना है, न कि उन्हें मजबूर करना (नाय, 2004)।

सॉफ्ट पावर का महत्व वैश्विक राजनीति में लगातार बढ़ रहा है। आज के युग में, जहां सैन्य संघर्ष और आर्थिक प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप अक्सर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं होती हैं, सॉफ्ट पावर एक

अधिक स्थायी और प्रभावी तरीका साबित हो सकता है। यह देशों को अपने मूल्यों और संस्कृति को विश्व स्तर पर प्रसारित करने की अनुमति देता है, जिससे उनकी छवि और प्रभाव में वृद्धि होती है।

3. भारत की सॉफ्ट पावरः सांस्कृतिक प्रभाव

भारत की सॉफ्ट पावर का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। भारत की संस्कृति, जो हजारों साल पुरानी है, ने दुनिया भर के लोगों को आकर्षित किया है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, नृत्य, सिनेमा और भोजन जैसे तत्वों ने भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया है।

3.1 योग और आयुर्वेद

योग और आयुर्वेद भारत की सबसे प्रमुख सांस्कृतिक निर्यात हैं। योग, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, ने दुनिया भर में लाखों लोगों को आकर्षित किया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया, जो भारत की सॉफ्ट पावर की एक बड़ी उपलब्धि है (संयुक्त राष्ट्र, 2014)। आयुर्वेद, जो प्राकृतिक चिकित्सा पर आधारित है, ने भी वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। यह न केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में बल्कि सौंदर्य और कल्याण उद्योग में भी अपनी पहचान बना चुका है।

3.2 भारतीय सिनेमा

भारतीय सिनेमा, विशेष रूप से बॉलीवुड, ने भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर प्रसारित किया है। बॉलीवुड फिल्में न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में देखी जाती हैं। ये फिल्में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को दर्शकों तक पहुंचाती हैं। बॉलीवुड की लोकप्रियता ने भारत को एक सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में स्थापित किया है और इसने भारत की छवि को नरम और आकर्षक बनाया है (थुस्सू, 2013)।

3.3 भारतीय संगीत और नृत्य

भारतीय संगीत और नृत्य भी भारत की सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत, जैसे कि हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत, ने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। इसी तरह, भारतीय नृत्य जैसे कि भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी ने भी वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। ये कलाएं न केवल भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करती हैं बल्कि उसे संरक्षित और प्रसारित भी करती है।

3.4 भारतीय भोजन

भारतीय भोजन ने भी दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। भारतीय व्यंजन, जो अपने मसालों और स्वादों के लिए जाने जाते हैं, न वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। भारतीय रेस्तरां दुनिया के लगभग हर कोने में पाए जाते हैं और ये भारत की सांस्कृति विविधता को प्रदर्शित करते हैं।

4. भारत की सॉफ्ट पावरः राजनीतिक प्रभाव

भारत की सॉफ्ट पावर का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू उसका राजनीतिक प्रभाव है। भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, ने अपने लोकतांत्रिक मूल्यों और विदेश नीति के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

4.1 लोकतांत्रिक मूल्य

भारत का लोकतांत्रिक ढांचा उसकी सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत ने अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और उन्हें मजबूत करने में सफलता हासिल की है। यह न केवल

दक्षिण एशिया में बल्कि पूरी दुनिया में एक मिसाल के रूप में देखा जाता है। भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता ने उसे वैश्विक मंचों पर एक प्रमुख भूमिका निभाने की अनुमति दी है (कुमार, 2017)।

4.2 विदेश नीति

भारत की विदेश नीति भी उसकी सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत ने हमेशा से शांति और सहयोग की नीति का पालन किया है। भारत की ''पड़ोसी पहले'' (Neighbourhood First) नीति ने उसे दक्षिण एशिया में एक प्रमुख भूमिका निभाने की अनुमति दी है। इसके अलावा, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की सक्रिय भागीदारी और उसके शांति स्थापना मिशनों ने उसकी छवि को और मजबूत किया है (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, 2020)। गुटनिरपेक्ष आंदोलन से लेकर ''वसुधैव कुटुम्बकम'' (पूरी दुनिया एक परिवार है) के सिद्धांत तक, भारत की विदेश नीति ने इसकी सॉफ्ट पावर को बढ़ावा दिया है।

4.3 आर्थिक सहयोग

भारत की आर्थिक नीतियां भी उसकी सॉफ्ट पावर का एक हिस्सा हैं। भारत ने दुनिया भर के देशों के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाया है। भारत की ''मेक इन इंडिया'' (Make in India) और ''डिजिटल इंडिया'' (Digital India) जैसी पहलों ने उसे वैश्विक स्तर पर एक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। इसके अलावा, भारत ने विकासशील देशों के साथ सहयोग बढ़ाकर उनकी आर्थिक विकास में मदद की है।

4.4 शिक्षा और प्रौद्योगिकी

भारत की शिक्षा और प्रौद्योगिकी ने भी उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत किया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) जैसे संस्थानों ने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। भारतीय छात्र और पेशेवर दुनिया भर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं और भारत की छवि को मजबूत कर रहे हैं।

4.5 लोकतांत्रिक शासन और राजनीतिक मूल्य

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत की राजनीतिक प्रणाली एक महत्वपूर्ण मृदु शक्ति संसाधन है, विशेष रूप से एक वैश्विक संदर्भ में जहां लोकतांत्रिक शासन आदर्शात्मक आकर्षण बनाए रखता है। भारत द्वारा अत्यधिक विविधता, आर्थिक चुनौतियों और क्षेत्रीय अस्थिरताओं के बावजूद लोकतांत्रिक संस्थानों का सफल रखरखाव चीन द्वारा उदाहरणित अधिनायकवादी पंजूवादी के विकल्प मॉडल प्रस्तुत करता है (मैलोन, 2011). भारत की लोकतांत्रिक लचीलापन विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में प्रतिध्वनि है, जहां कई देश शासन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। भारत आयोग ने कई विकासशील देशों में चुनावी निकायों को तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण प्रदान किया है, जिससे लोकतांत्रिक क्षमता निर्माण में योगदान दिया है (चौलिया, 2012). इसके अतिरिक्त, भारत का शांतिपूर्ण शक्ति परिवर्तन का इतिहास और इसकी स्वतंत्र न्यायपालिका दुनिया भर में उभरते लोकतंत्रों के लिए उदाहरण के रूप में कार्य करते हैं।

भारत की बहुतलवाद के प्रति संवैधानिक प्रतिबद्धता और विविधता का समायोजन एक तेजी से बहुसांस्कृतिक वैश्विक वातावरण में इसके मृदु शक्ति आकर्षण को बढ़ाता है। संघीय व्यवस्थाओं और

संवैधानिक सुरक्षा के माध्यम से धार्मिक, भाषाई और जातीय विविधता के प्रबंधन का भारतीय मॉडल अन्य विविध समाजों के लिए संभावित सबक प्रदान करता है (खिलनानी, 2005)।

5. भारत की सॉफ्ट पावरः वैश्विक सहयोग और भविष्य की दिशा

भारत की सॉफ्ट पावर न केवल उसकी सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान को मजबूत करती है, बल्कि वैश्विक सहयोग और विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत ने हमेशा से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विकासशील देशों की मदद को प्राथमिकता दी है। इसके माध्यम से भारत ने अपनी छवि को एक जिम्मेदार और दयालु राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है।

5.1 सरकारी पहल

भारत सरकार ने तेजी से मृदु शक्ति के रणनीतिक मूल्य को पहचाना है और इसकी क्षमता का दोहन करने के लिए संस्थागत तंत्र विकसित किया है। विदेश मंत्रालय विभिन्न मृदु शक्ति पहलों का समन्वय करता है, अक्सर अन्य मंत्रालयों और स्वायत्त संस्थानों के साथ मिलकर काम करता है।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR), जिसकी स्थापना 1950 में हुई थी, भारत की सांस्कृतिक कूटनीति के प्राथमिक वाहन के रूप में कार्य करती है। ICCR 35 से अधिक देशों में सांस्कृतिक केंद्र बनाए रखता है, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है, विदेशों में सांस्कृतिक प्रदर्शन आयोजित करता है, और शैक्षिक आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान करता है (हॉल, 2012)। इसी तरह, भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC) कार्यक्रम भागीदार देशों को विकास सहायता और क्षमता निर्माण समर्थन प्रदान करता है, जिससे भारत की प्रतिष्ठा वैश्विक विकास में एक रचनात्मक योगदानकर्ता के रूप में बढ़ती है।

हाल ही में, 2012 में विकास भागीदारी प्रशासन (DPA) की स्थापना ने भारत की विदेशी सहायता और विकास सहयोग प्रयासों को सुव्यवस्थित किया है, जिसमें दक्षिण एशिया, अफ्रीका और उससे आगे के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास, मानवीय सहायता और तकनीकी प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया है (चतुर्वेदी, 2016)। ये पहल भारत को वैश्विक विकास चुनौतियों में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में प्रोजेक्ट करती हैं।

डिजिटल कूटनीति भी एक प्राथमिकता के रूप में उभरी है, जिसमें भारत का विदेश मंत्रालय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय उपस्थिति बनाए रखता है और भारतीय संस्कृति, पर्यटन और व्यापार के अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए ''इंडिया ग्लोबल पोर्टल'' विकसित करता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत सोशल मीडिया आउटरीच, जिसमें प्लेटफॉर्म भी में लाखों अनुयायी हैं, आगे भारत की डिजिटल कूटनीति उपस्थिति को बढ़ाता है (हैंसन, 2012)।

5.2 वैश्विक सहयोग में भारत की भूमिका

भारत ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र (United Nations) में भारत की भागीदारी ने उसे वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों (UN Peacekeeping Missions) में सबसे अधिक सैनिक भेजे हैं, जो उसकी वैश्विक जिम्मेदारी को दर्शाता है (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, 2020)।

इसके अलावा, भारत ने विकासशील देशों के साथ सहयोग बढ़ाकर उनकी आर्थिक और सामाजिक विकास में मदद की है। भारत की ''साउथ–साउथ कोऑपरेशन'' (South-South Cooperation) नीति ने उसे अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिल अमेरिका के देशों के साथ मजबूत संबंध बनाने में मदद की है। भारत ने इन देशों को तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान की है, जिससे उसकी छवि एक दयालु और उदार राष्ट्र के रूप में बनी है (कुमार, 2017)।

समकालीन संदर्भ में, भारत ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) जैसे संगठनों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के प्रयासों को संस्थागत किया है, जो कई देशों में सांस्कृतिक केंद्र बनाए रखता है और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। अफगानिस्तान, कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों में भारत द्वारा किए गए पुरातात्विक संरक्षण कार्य आगे भारत की छवि को साझा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक के रूप में मजबूत करते हैं (मुलेन और गांगुली, 2012)।

5.3 डिजिटल डिप्लोमेसी और भारत

डिजिटल डिप्लोमेसी (Digital Diplomacy) भारत की सॉफ्ट पावर का एक नया आयाम है। भारत ने डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपनी विदेश नीति को और प्रभावी बनाया है। ''डिजिटल इंडिया'' (Digital India) जैसी पहलों ने न केवल भारत के आंतरिक विकास को बढ़ावा दिया है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर एक तकनीकी महाशक्ति के रूप में स्थापित किया है। भारत की आईटी कंपनियों ने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है, और भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है (मिश्रा, 2019)।

इसके अलावा, भारत ने कोविड–19 महामारी के दौरान डिजिटल डिप्लोमेसी का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। भारत ने ''वैक्सीन मैत्री'' (Vaccine Maitri) अभियान के तहत कई देशों को कोविड–19 वैक्सीन की आपूर्ति की, जिससे उसकी छवि एक मानवीय और जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में मजबूत हुई (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, 2021)।

5.4 भारत की सॉफ्ट पावरः भविष्य की दिशा

भारत की सॉफ्ट पावर का भविष्य उज्जवल है, लेकिन इसके लिए उसे कुछ चुनौतियों का सामना करना होगा। भारत को अपनी आंतरिक समस्याओं, जैसे कि सामाजिक असमानता, गरीबी और शिक्षा की कमी, को दूर करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, भारत को पर्यावरणीय समस्याओं और मानवाधिकार के मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा।

भारत की सॉफ्ट पावर को और मजबूत करने के लिए उसे अपनी सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर प्रसारित करना होगा। भारत को अपनी लोकतांत्रिक मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक सहयोग को और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना होगा। यदि भारत इन चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार करता है, तो वह वैश्विक स्तर पर अपनी सॉफ्ट पावर को और मजबूत कर सकता है और एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को स्थापित कर सकता है।

6. निष्कर्ष

भारत की सॉफ्ट पावर कूटनीति इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुआयामी विदेश नीति पर आधारित है। योग, बॉलीवुड, भारतीय प्रवासी और आर्थिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में भारत के प्रयासों ने इसे वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण सॉफ्ट पावर के रूप में स्थापित किया है।

हालांकि, भारत की सॉफ्ट पावर के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनमें संसाधनों की कमी, नकारात्मक धारणाएं और पड़ोसी देशों के साथ जटिल संबंध शामिल हैं। इन चुनौतियों को दूर करने और अपनी सॉफ्ट पावर को मजबूत करने के लिए, भारत को एक व्यापक और समन्वित दृष्टिकोण, मजबूत डिजिटल और मीडिया उपस्थिति और नवाचार और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। 21वीं सदी में, जैसे–जैसे वैश्विक राजनीति का परिदृश्य बदल रहा है, भारत की सॉफ्ट पावर कूटनीति इसकी वैश्विक स्थिति को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इसके हितों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संदर्भ

1. नाय, जे. एस. (1990). बाउंड टू लीडः द चेंजिंग नेचर ऑफ अमेरिकन पावर. बेसिक बुक्स।
2. नाय, जे. एस. (2004). सॉफ्ट पावरः द मीन्स टू सक्सेस इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स. पब्लिकअफेयर्स।
3. संयुक्त राष्ट्र. (2014). अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस. https://www.un.org/en/events/yogaday/ से प्राप्त किया गया।
4. थुस्सू, डी. के. (2013). कम्युनिकेटिंग इंडियाज सॉफ्ट पावरः बुद्धा टू बॉलीवुड. पालग्रेव मैकमिलन।
5. कुमार, ए. (2017). इंडियाज सॉफ्ट पावरः ए न्यू फॉरेन पॉलिसी स्ट्रैटेजी. रूटलेज.
6. विदेश मंत्रालय, भारत सरकार. (2020). भारत की विदेश नीति. https://www.mea.gov.in/ से प्राप्त किया गया।
7. मिश्रा, आर. (2019). डिजिटल इंडियाः ए न्यू एरा ऑफ टेक्नोलॉजी एंड डिप्लोमेसी. जर्नल ऑफ इंडियन पॉलिटिक्स. 15 (2), पृ० सं०– 45–60।
8. विदेश मंत्रालय, भारत सरकार. (2021). वैक्सीन मैत्री अभियान. https://www.mea.gov.in/ से प्राप्त किया गया।
9. शर्मा, एस. (2018). भारत की सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक प्रभाव. इंडियन जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज, 10 (3), पृ० सं०– 112–125।
10. पटेल, वी. (2016). भारत की विदेश नीति और सॉफ्ट पावर. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 8 (1), पृ० सं०– 78–79।
11. गुप्ता, आर. (2015). योग और आयुर्वेदः भारत की सॉफ्ट पावर. जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलनेस, 12 (4), पृ० सं०– 34–35।
12. सिंह, एम. (2020). भारत की आर्थिक नीतियां और वैश्विक सहयोग. इकोनॉमिक्स टुडे, 18 (2), पृ० सं०– 56–70।
13. जोशी, के. (2019). भारत की शिक्षा और प्रौद्योगिकीः वैश्विक प्रभाव. एजुकेशन रिव्यू, 14 (3), पृ० सं०– 89–102।
14. रॉय, एस. (2017). भारत की सॉफ्ट पावरः चुनौतियां और अवसर. पॉलिटिकल साइंस जर्नल, 9 (2), पृ० सं०– 67–80।

15. वर्मा, पी. (2018). भारत की सांस्कृतिक निर्यातः योग, संगीत और सिनेमा. कल्चरल स्टडीज रिव्यू, 11 (1), पृ० सं०– 23–35।
16. चतुर्वेदी, एस. (2016). द लॉजिक ऑफ शेयरिंगः इंडियन अप्रोच टू साउथ–साउथ कोऑपरेशन. केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।
17. चतुर्वेदी, एस., फ्यूस, टी., और सिडिरोपोलस, ई. (2014). डेवलपमेंट कोऑपरेशन एंड एमर्जिंग पावर्सः न्यू पार्टनर्स और ओल्ड पैटर्न्स. जेड बुक्स।
18. चौलिया, एस. (2012). भारत की सॉफ्ट पावरः संभावनाओं से वास्तविकता तक? पी. एम. कवाल्स्की (संपा.), द एशगेट रिसर्च कंपेनियन टू चाइनीज फॉरेन पॉलिसी पृ० सं०– 343–354. एशगेट।
19. कांस्टेंटिनो, जेड. (2016). अफगानिस्तान में भारत–पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विताः अमेरिका के लिए निहितार्थ. द वाशिंगटन क्वार्टरली, 39 (2), पृ० सं०– 127–144।
20. डेस्ट्राडी, एस. (2012). इंडियन फॉरेन एंड सिक्योरिटी पॉलिसी इन साउथ एशियाः रीजनल पावर स्ट्रेटेजीज. रूटलेज।
21. हॉल, आई. (2012). भारत की नई जन कूटनीतिः सॉफ्ट पावर और सरकारी क्रियाओं की सीमाएँ. एशियन सर्वे, 52 (6), पृ० सं०– 1089–1110।
22. हॉल, आई. (2017). नरेंद्र मोदी और भारत की मानक शक्ति. इंटरनेशनल अफेयर्स, 93 (1), पृ० सं०– 113–131।
23. हैनसन, एफ. (2012). रेवोल्यूशन स्टेटः द स्प्रेड ऑफ ई–डिप्लोमेसी. लोवी इंस्टीटयूट फॉर इंटरनेशनल पॉलिसी।
24. कपूर, डी. (2010). डायस्पोरा, डेवलपमेंट, एंड डेमोक्रेसीः द डोमेस्टिक इम्पैक्ट ऑफ इंटरनेशनल माइग्रेशन फ्रॉम इंडिया. प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस।
25. खन्ना, पी. (2019). द फ्यूचर इज एशियनः कॉमर्स, कॉन्फ्लिक्ट, एंड कल्चर इन द 21स्ट सेंचुरी. साइमन एंड शूस्टर।
26. खीलनानी, एस. (2005). द आइडिया ऑफ इंडिया. पेंगुइन बुक्स।
27. मलिक, ए. (2014). सार्वजनिक–निजी भागीदारी और भारतीय विदेश नीति. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 49 (43–44), पृ० सं०– 21–25।
28. मलोन, डी. एम. (2011). डज द एलीफैंट डांस? कंटेम्पररी इंडियन फॉरेन पॉलिसी. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
29. मजूमदार, ए., और स्टैट्ज, ई. (2015). भारत की विदेश नीति में लोकतंत्र प्रचारः उभरते रुझान और विकास. एशियन अफेयर्सः एन अमेरिकन रिव्यू, 42 (2), पृ० सं०– 77–98।
30. मिलर, एम. सी., और डि एस्ट्रायडा, के. एस. (2017). भारतीय विदेश नीति में व्यावहारिकताः कैसे विचार मोदी को नियंत्रित करते हैं. इंटरनेशनल अफेयर्स, 93 (1), पृ० सं०– 27–49।
31. मुलन, आर. डी., और गांगुली, एस. (2012). भारत की सॉफ्ट पावर का उदय. फॉरेन पॉलिसी, 8.।

32. नारलिकर, ए. (2010). न्यू पावर्सः हाउ टू बिकम वन एंड हाउ टू मैनेज देम. कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस।
33. नौजोक्स, डी. (2015). द्वैध नागरिकता का सुरक्षा की दृष्टि से अध्ययन. डायस्पोरा स्टडीज, 8 (1), पृ० सं०– 18–36।
34. ओल्लापल्ली, डी., और राजगोपालन, आर. (2012). भारतः एक अस्पष्ट शक्ति के विदेश नीति दृष्टिकोण. एच. नौ और डी. ओल्लापल्ली (संपा.), वर्ल्डव्यूज ऑफ एस्पायरिंग पावर्स पृ० सं०– 73–113 ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
35. पंत, एच. वी., और साहा, पी. (2021). भारत की वैक्सीन कूटनीतिः नैतिकता और रणनीति के बीच. द वाशिंगटन क्वार्टरली, 44 (3), पृ० सं०– 85–102।
36. थरूर, एस. (2012). पैक्स इंडिकाः इंडिया एंड द वर्ल्ड ऑफ द 20–फर्स्ट सेंचुरी. पेंगुइन बुक्स।
37. थुस्सू, डी. के. (2013). कम्युनिकेटिंग इंडिया स सॉफ्ट पावरः बुद्धा टू बॉलीवुड. पालग्रेव मैकमिलन।
38. वाग्रर, सी. (2010). भारत की सॉफ्ट पावरः संभावनाएं और सीमाएं. इंडिया क्वार्टरली, 66 (4), पृ० सं०– 333–342।